102 **302(CS)**

2019

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'कल्पलता' निबन्ध-संग्रह है
   i) हरिशंकर परसाई का
   ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का
   iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी का
   iv) वासुदेवशरण अग्रवाल का । 1

   ख) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की 'बाजे पायलिया के घुँघरू' किस विधा की रचना है ?
   i) संस्मरण
   ii) ललित निबन्ध
   iii) रेखाचित्र
   iv) लघुकथा । 1

   ग) निम्न में से कौन हजारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास नहीं है ?
   i) 'चारु-चन्द्र-लेख'
   ii) 'पुनर्नवा'
   iii) 'अनामदास का पोथा'
   iv) 'तट की खोज' । 1

   घ) निम्न में से 'मेरे विचार' कृति के लेखक हैं
   i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
   ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
   iii) 'अज्ञेय'
   iv) हरिशंकर परसाई । 1

   ङ) निम्नलिखित में से 'हरिशंकर परसाई' की रचना है
   i) 'सन्नाटा'
   ii) 'विचार और वितर्क'
   iii) 'तब की बात और थी'
   iv) 'जिन्दगी मुस्कराई' । 1

2. क) 'हरिऔध' जी का 'प्रियप्रवास' है
   i) संयोग श्रृंगार पर आधारित महाकाव्य
   ii) शान्त रस पर आधारित खण्डकाव्य
   iii) विप्रलम्भ श्रृंगार पर आधारित महाकाव्य
   iv) स्फुट गीतों का क्रमबद्ध संकलन । 1

VERTEXAL

ख) निम्न में से 'मैथिलीशरण गुप्त' की रचना नहीं है

i) 'सिद्धराज' ii) 'इत्यलम्'

iii) 'अनघ' iv) 'प्रदक्षिणा' । 1

ग) जयशंकर प्रसाद के महाकाव्य 'कामायनी' में सर्गों की संख्या है

i) सात ii) बारह

iii) पन्द्रह iv) सत्रह । 1

घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' को उनकी काव्यकृति 'उर्वशी' पर पुरस्कार मिला था

i) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'

ii) 'भारत भारती पुरस्कार'

iii) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

iv) 'सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार' । 1

ङ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' किस 'सप्तक' में संगृहीत हैं ?

i) 'तारसप्तक' में

ii) 'दूसरा सप्तक' में

iii) 'तीसरा सप्तक' में

iv) 'चौथा सप्तक' में । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है । मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है । न जाने कितने धर्माचार्यों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है । संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पायी है । हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है । देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है । सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है । शुद्ध केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा) है । वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है । सभ्यता और संस्कृति का मोह क्षण-भर बाधा उपस्थित करता है, धर्माचार का संस्कार थोड़ी देर तक इस धारा से टक्कर लेता है, पर इस दुर्दम धारा में सब कुछ बह जाते हैं । जितना कुछ इस जीवनी-शक्ति को समर्थ बनाता है; उतना उसका अंग बन जाता है, बाकी फेंक दिया जाता है । धन्य हो महाकाल, तुमने कितनी बार मदनदेवता का गर्व-खण्डन किया है, धर्मराज के कारागार में क्रान्ति मचाई है, यमराज के निर्दय तारल्य

VERTEXAL

को पी लिया है, विधाता के सर्व-कर्तृत्व के अभिमान को चूर्ण किया है !

i) मनुष्य की जीवनी-शक्ति कैसी है ?

ii) महाकाल क्यों धन्य है ?

iii) 'अनाहत' और 'कारागार' का क्या अर्थ है ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है । उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अन्ततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक हैं । आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती । किसी बगीचे में जाइए । मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी । अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपको अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

i) समृद्धि और अध्यात्म के सम्बन्ध में लेखक क्या नहीं मानता ?

ii) समृद्धि अपने साथ क्या लाती है ?

iii) 'न्यूनतम' और 'अनन्त' का क्या अर्थ है ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) गद्यांश से सम्बन्धित पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम !
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास !
हे जग-जीवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आरपार,
शाश्वत जीवन-नौका-विहार !
मैं भूल गया अस्तित्व-ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व दान !

i) 'जग का क्रम' कैसा है ?

ii) इस पद्यांश के अनुसार क्या-क्या तथ्य शाश्वत हैं ?

iii) 'रजत हास' और 'कर्णधार' का क्या अर्थ है ?

iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

v) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

VERTEXAL

मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी ! अपने समय का सूर्य हूँ मैं,
अंध तम के भाल पर पावक जलाता हूँ
बादलों के सीस पर स्यन्दन चलाता हूँ ।
पर, न जाने, बात क्या है !
इन्द्र का आयुध पुरुष जो झेल सकता है,
सिंह से बाहें मिलाकर खेल सकता है,
फूल के आगे वही असहाय हो जाता,
शक्ति के रहते हुए निरुपाय हो जाता ।
<u>विद्ध हो जाता सहज बंकिम नयन के बाण से,</u>
<u>जीत लेती रूपसी नारी उसे मुस्कान से ।</u>

i) पुरूरवा उर्वशी को अपना परिचय किस रूप में देता है ?
ii) पुरुष-फूल-जैसी कोमल नारी के सामने क्यों असहाय हो जाता है ?
iii) 'स्यन्दन' और 'आयुध' शब्दों का क्या अर्थ है ?
iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।
v) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 2 + 2 = 4

i) डॉ० कन्यैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम
iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 2 + 2 = 4

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
ii) जयशंकर प्रसाद
iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'कृष्ण चैतन्य' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तीसरे अंक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के दूसरे अंक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

iii) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'परशुराम' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के 'प्रथम अंक' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

iv) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'कुमार विषमशील' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक की कथावस्तु अति संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

v) 'राजमुकट' नाटक के पहले अंक के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के आधार पर मेवाड़ के महाराणा 'प्रताप सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में वर्णित साइमन कमीशन के बहिष्कार की कथा पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

iv) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट् हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

VERTEXAL

(खण्ड-ख)

9. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः , चत्वारो वेदाः सर्वाः उपनिषदः अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः ।

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियम् भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों / श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ।।

10. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) ईद का चाँद होना ।

(ii) नाक काटना ।

(iii) का वर्षा जब कृषी सुखाने ।

(iv) गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास ।

11. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'कवीश्वरः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(A) कवी + ईश्वरः

(B) कवी + इश्वरः

(C) कवि + ईश्वरः

(D) कवि + इश्वरः । 1

VERTEXAL

(ii) 'महोत्सव:' का सही सन्धि-विच्छेद है

(A) महा + ऊत्सव:

(B) महा + उत्सव:

(C) महा + ओत्सव:

(D) मह + उत्सव: । 1

(iii) 'पित्रादेश:' का सही सन्धि-विच्छेद है

(A) पितरा + आदेश:

(B) पितर + आदेश:

(C) पित्रा + देश:

(D) पितृ + आदेश: । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'जगति:' शब्द में विभक्ति और वचन है

(A) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(C) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(D) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन । $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

(ii) 'यस्य' शब्द में विभक्ति और वचन है

(A) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(B) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(C) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन। $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

http://www.upboardonline.com

12. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से किन्हीं **दो** शब्द-युग्म में अन्तर लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) साला – शाला

(ii) सप्त – शप्त

(iii) लक्ष – लक्ष्य

(iv) अनिल – अनल

(v) व्यंग्य – व्यंग ।

(ख) निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) कनक

(ii) कर

(iii) द्विज ।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) बिना वेतन काम करनेवाला ।

(ii) जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो ।

(iii) जो कभी नहीं मरे ।

(iv) पैर से सिर तक ।

(v) दण्ड देने योग्य ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या था ।

(ii) वह प्रात:काल के समय आया था ।

(iii) इस घटना की परीक्षा होनी चाहिए ।

(iv) दीपक प्रज्ज्वलित कर दो ।

VERTEXAL

13. (क) 'करुण' **अथवा** 'वीर' रस का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' **अथवा** 'चौपाई' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

14. किसी इण्टरमीडिएट कॉलेज में लिपिक के रिक्त पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

अथवा

अपने गाँव में स्वच्छता एवं सफाई हेतु अपने क्षेत्र के उप-जिलाधिकारी को एक प्रार्थनापत्र लिखिए ।

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) पदोन्नति में आरक्षण का औचित्य

(ii) दूरदर्शन से लाभ और हानि ।

(iii) पर्यावरण-संरक्षण एवं वनस्पतियाँ ।

(iv) आतंकवाद : कारण और निवारण ।

(v) मेरा प्रिय साहित्यकार

VERTEXAL